दुष्प्रभाव रहित उपचार की सार्थक पहल

साहस होम्योपैथी

साहस होम्यो क्लीनिक
(ISO 9001:2008 Certified)

साहस होम्यो मेडिकल स्टोर
जर्मन तथा सभी प्रकार की होम्योपैथिक व बायोकैमिक दवाईयों के विक्रेता

निकट गुरुद्वारा, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी। 9456727473, 9927067771

facebook.com/sahashomeo www.sahashomeopathic.com

सर्वश्रेष्ठ होम्योपैथी चिकित्सा द्वारा हजारों रोगी हुए आरोग्य

साहस होम्योपैथिक क्लीनिक की स्थापना 12 जुलाई 1996 को एक छोटी सी दुकान में डॉ. एन.सी. पाण्डेय के प्रयासों द्वारा हुई थी। साहस का संक्षिप्त अर्थ इन्हीं प्रयासों व कार्य में आई कठिनाइयों पर विजय पाने का नाम है। सदैव हंसमुख व मिलनसार डॉ. पाण्डेय द्वारा ही यह व्याख्यान हमें मिला। होम्योपैथी को प्रथम क्रम में लाने का कार्य उन्हीं के साहसिक प्रयासों का नतीजा है।

आज साहस होम्योपैथिक क्लीनिक कुमाऊं व आस-पास के क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान बना चुका है। 22 वर्षों के सफर के बाद साहस होम्योपैथिक क्लीनिक अब खुद के 61 प्रॉडक्ट्स साहस होम्यो रेमेडीज बैनर तले एन.डी. नाम से ब्रांड हो रहे हैं। यह सभी प्रॉडक्ट्स डॉ. एन.सी. पाण्डेय जी के शोध कार्य के कारण ही आज बहुत प्रभावी हैं। मरीजों को इन औषधियों से अत्यन्त लाभ मिल रहा है।

साहस होम्योपैथिक जानी जाती है बिना दुष्प्रभाव, प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हुए सभी रोगों का जड़ से उपचार करने के लिए होम्योपैथिक दवाईयाँ रोग प्रतिरोधक क्षमता को विकसित करती हैं, छोटे बच्चों पर भी इसका जादुई असर देखा गया है। बार-बार जुकाम होना, दस्त लगना, एलर्जी, बुखार आना, सिद दर्द बने रहना में तो होम्योपैथी कामयाब है ही जटिल रोगों में भी इसके परिणाम आश्चर्यजनक हैं।

पथरी- किडनी की पथरी होम्योपैथिक दवाओं द्वारा आसानी से निकाली जा सकती है। हजारों रोगी लाभान्वित हुए।

किडनी- खराब किडनी के उपचार के दौरान होम्योपैथिक दवाओं द्वारा कमर के नीचे दर्द व भरीपन, आँख के नीचे सूजन, पैरों में दर्द, आवाज लड़खड़ाना, एचबी , सीरम, क्रियेटनिन, यूरिक एसिड, ब्लड यूरिया सभी कंट्रोल में आते देखा गया है।

स्त्री रोग- सभी स्त्री रोग जैसे अनियमित माहवारी, ल्यूकोरिया, ओवरी सिस्ट, स्तन की गाँठ, मिनोपोज का सफल उपचार है। समस्त चर्म रोग, प्रोस्टेट, लीवर व पेट संबंधी रोग- जैसे भूख न लगना, अपच, गैस, खट्टी डकारें, कब्ज, बावासीर (खूनी व बादी), मस्से, गोखरु- का सफल इलाज होम्योपैथिक दवाओं में उपलब्ध है जिससे हजारों रोगी लाभ ले रहे हैं। पाइल्स, फिशर, भगन्दर, माइग्रेन, एलर्जी ब्रोन्काइटिस, दमा, सोरायसिस, अर्थराइटिस, बाल झड़ना, एलोपेसिया (सिर में सिक्केनुमा बालों का झड़ना) सफेद दाग इत्यादि रोगों के उपचार में यह मीठी गोलियाँ बिना दुष्प्रभाव अपना असर दिखा रहीं हैं। होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति रोग लक्षणों को दबाती नहीं बल्कि जड़ से उपचार करती है।

सर्वश्रेष्ठ होम्योपैथी चिकित्सा ने दिए सभी रोगों में अचूक परिणाम

साहस होम्यो क्लीनिक एवं मेडिकल स्टोर

- गुर्दे फेल होना
- गुर्दे की पथरी
- स्तन की गाँठ
- बच्चेदानी की गाँठ
- ओवरी में सिस्ट
- प्रोस्टेट ग्रन्थि
- मस्से एवं गोखरू
- थायराइड ग्रन्थि के रोग
- कैंसर
- लीवर के रोग
- मुहासे, झाईयां
- अर्थराइटिस
- सेक्स सम्बन्धित समस्यायें
- मनोरोग
- खूनी बवासीर
- पाइल्स, फिशर, भगन्दर
- बाल झड़ना
- सफेद दाग
- टॉन्सिल
- एलर्जी
- दमा
- माइग्रेन
- ल्यूकोरिया
- सोरायसिस

डॉ. एन.सी. पाण्डेय बी.एच.एम.एस., वरिष्ठ होम्योपैथी फिजिशियन

निकट गुरुद्वारा, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी
www.sahashomeopathic.com

9456727473
9927067771

facebook.com/sahashomeo

सेहत से समझौता न करें, सर्वश्रेष्ठ होम्योचिकित्सा ही लें

शनिवार को अवकाश रहेगा।

SAHAS Homeo
Homeopathic Clinic & Medical Store
साहस होम्योपैथिक क्लीनिक
The Best Homeopathic Clinic in Haldwani
अमर उजाला
हर सवेरे नया जोश नया उजाला

छोटी सी पुड़िया में निरोगी काया का वरदान

होम्योपैथी एक चिकित्सा पद्धति है। 'समरूपता के सिंद्धात' पर आधारित यह चिकित्सा पद्धति बिना किसी साइड-इफेक्ट के सभी बीमारियों का उपचार कर सकती है। इस चिकित्सा के अनुसार रोग को अत्यंत निश्चयपूर्वक, जड़ से और सदा के लिए नष्ट और समाप्त किया जा सकता है, जो मानव शरीर में, रोग के लक्षणों से प्रबल और लक्षणों से अत्यंत मिलते-जुलते सभी लक्षण उत्पन्न कर सके। होम्योपैथी चिकित्सा में चिकित्सक का मुख्य कार्य रोगी द्वारा बताए गए रोग लक्षणों को सुनकर उसी प्रकार के लक्षणों को उत्पन्न करने वाली औषधि का चुनाव करना होता है। रोग लक्षण एवं औषधि लक्षण में जितनी ही अधिक समानता होगी रोगी के स्वस्थ होने की संभावना भी उतनी ही अधिक रहती है। होम्योपैथी चिकित्सा से अस्थमा, अर्थराइटिस, कोल्ड, फ्लू, तनाव, हृदय की बीमारियों, दांतों की समस्याओं और यहां तक कि एड्स व कैंसर जैसी बीमारियों का भी इलाज किया जा सकता है। होम्योपैथी बेहद प्रभावी है और इससे जल्दी उपचार होता है। चिकित्सक का अनुभव उसका सबसे बड़ा सहायक होता है। पुराने और कठिन रोग की चिकित्सा के लिए रोगी और चिकित्सक दोनों के लिए धैर्य की आवश्यकता होती है। ध्यान रहें कि होम्योपैथी लाक्षणिक चिकित्सा पद्धति है, इसमें किसी भी रोग को समझने के लिए चिकित्सक के लिए रोग एवं रोगी के लक्षणों को जानना बेहद आवश्यक होता है। इसलिए होम्योपैथी इलाज के दौरान चिकित्सक को विस्तार से शरीर के सारे लक्षणों के बारे में बतायें, ताकि चिकित्सक आपकी समस्या का आसानी से निदान कर सकें।

(ISO 9001:2008 Certified)
साहस होम्यो क्लीनिक
स्त्री रोग :- अनियमित माहवारी, ल्युकोरिया, ओवरी सिस्ट, स्तन की गाँठ, मिनीपोज
चर्म रोग :- एक्जिमा, सोराइसिस, पित्त उछलना, मुहाँसे, झाईयां, सफेद दाग, बालों का गिरना, रूसी, मस्से व गोखरू
अर्थराइटिस सर्वाइकल स्पोंडलाइटिस कमर व जोड़ों का दर्द
डॉ. एन.सी. पाण्डेय
बी.एच.एम.एस.
वरिष्ठ होम्योपैथिक फिजिशियन
माइग्रेन, प्रोस्ट्रेट ग्रन्थि का बढ़ना, कोलेस्ट्रोल का बढ़ना
लीवर/पेट रोग :- भूख न लगना, बच्चों का भोजन न करना, भोजन का न पचना, गैस, खट्टी डकारें, कब्ज, बवासीर, खूनी व बादी
नाक की हड्डी का बढ़ना, एलर्जी ब्रोन्काइटिस
साहस होम्यो मेडिकल स्टोर
जर्मन तथा सभी प्रकार की होम्योपैथिक व बायोकेमिक दवाईयों के विक्रेता
शनिवार अवकाश
सेहत से समझौता न करें, सर्वश्रेष्ठ होम्यो चिकित्सा ही लें
निकट गुरुद्वारा, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी 9456727473, 9927067771

जानें होम्योपैथी विज्ञान

लाभ, स्रोत, शक्ति

होम्योपैथी (जिसे ग्रीक शब्द होमोइयस यानी समान और पैथोस मतलब पीड़ा से लिया गया है) उपचार करने की कला है। यह एक उत्कृष्ट चिकित्सकीय पद्धति है। जो इसके संस्थापक डॉ. क्रिशिचयन फ्रेडरिक सौम्युएल हैनीमैन द्वारा प्रतिपादित कुछ बुनियादी सिद्धांतों पर काम करती है। एक विज्ञान के तौर पर होम्योपैथी, इसके सूत्रपात होने यानि जर्मनी में 200 से ज्यादा वर्ष पहले, से लेकर अब तक कई आमूलचूल परिवर्तनों से गुज़र चुकी है। यह अब दुनिया के लगभग हर देश में पहुंच चुकी है। वर्तमान समय में यह बीमार लोगों को फिर से स्वस्थ करने के लिए केवल उपचार करने का व्यापक रूप से स्वीकार्य तरीका ही नहीं है बल्कि ज्यादा सुरक्षित और सौम्य तरीका भी है।

होम्योपैथी के लाभ

होम्योपैथी के ज़रिए कोई व्यक्ति धीरे धीरे और स्थायी रूप से दीर्घकालिक या जीवन भर चलने वाली शारिरिक मनोवैज्ञानिक परेशानियों के साथ साथ उन बाधाओं को भी दूर कर सकता है जो किसी अन्य उपचारात्मक पद्धति से दूर नही हो पाई हैं। होम्योपैथी अक्सर वहां ज्यादा प्रभावी होती है, जहां सामान्य प्रैक्टिस बेअसर हो जाती है। वास्तव में होम्योपैथी में समय की बिल्कुल बर्बादी नही होती। बीमारी का लक्षण दिखते ही होम्योपैथिक औषधि का सुझाव देना संभव है। हम उन लक्षणों को प्रूवर (व्यक्ति जिस पर औषधि का परीक्षण किया जाता है) पर किसी औषधि के ज्ञात प्रभाव से मिलाने में सक्षम होते हैं। औषधि के बारे में संपूर्ण जानकारी और उसकी रोगाणु वृद्धि क्षमता जानने के लिए स्वस्थ मानवों पर होम्योपैथी की सभी दवाओं को प्रमाणित किया जाता है।

औषधि के स्रोत

होम्योपैथिक दवाओं को लेना एकदम सुरक्षित है। किसी भी तत्व का होम्योपैथिक ढ़ंग से इस्तेमाल किया जा सकता है लेकिन इनमें से ज्यादा दवाईयाँ सब्जियों पशुओं और अन्य चीज़ों के अलावा खनिज स्रोतों से प्राप्त प्राणातिक तत्व से बनाई जाती है। लगभग 3000 होम्योपैथिक दवाएं मौजूद हैं। इसकी अतिरिक्त, आधुनिकीकरण के नतीजे के तौर पर पैदा हो रही समस्याओं का सामना करने के लिए रोज़ाना नई दवाएं जोड़ी जा रही हैं।

होम्योपैथी की शक्ति

होम्योपैथी के खाते में औषधीय तत्व बनाने का विशिष्ट तरीका और बाद में निदानकारी शक्ति बढ़ाने जबकि अपरिषणत औषधीय तत्व को घटाते हुए उनमें सामर्थ्य पैदा करने की उपलब्धि है। यह दुष्प्रभाव होने के अवसर कम करता है और जीवन सिद्धांत को पर्याप्त रूप से उत्प्रेरित करने लायक न्यूनतम खुराक से रोगी को ठीक करता है ताकि यह रोग की शक्ति का प्रतिरोध करे और स्वास्थ्य लौटाए।

हैनिमैन आपका यह चमत्कार
हैनिमैन आपका यह चमत्कार
नहीं भूलेगा यह संसार
होम्यापैथी नाम से आपने यह प्रथा चलाई
जब पड़ता अमृत सा पानी,
होती नहीं कोई परेशानी।
बच्चे, बूढ़े, सबको लगता प्यारा,
हर किसी का है यह सहारा।
इसका नहीं हैं कोई दुष्परिणाम,
खाते हैं लोग तो मिलता है आराम,
सोरा, सिफलिस, साइकोटिक भारी,
तीनों दोष पर यह आधारि॥
चमत्कार सब देखते रह जाते,
दांतों तले अंगुली दबाते॥
खाते पुड़िया या मीठी दवाई,
पागल, लंगड़े-कोढ़ी भाई।
आता नहीं रोग दुबारा,

रोगों से देता छुटकारा।
कहते हैं संसार के प्राणी
पूर्ण चिकित्सा है यह प्रणाली।
हैनिमैन आपका यह चमत्कार,
नहीं भूलेगा यह संसार

- डा. एन.सी. पाण्डेय

समस्त स्त्री रोगों में प्रभावी होम्योपैथिक चिकित्सा

साहस होम्योपैथिक
महिलाओं से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं बीमारियों पर कार्य कर रहा है। महिलाओं से जुड़े समस्त रोग जैसे :- ओवरी सिस्ट, बच्चेदानी की गाँठ, स्तन की गाँठ, रसौली, ल्यूकोरिया, अनियमित माहवारी, मीनोपोज, थायराइड इत्यादि पर हमारी होम्योपैथिक चिकित्सा सफल इलाज करती है। महिलाओं से जुड़ी कुछ समस्याओं का हम यहां लेख द्वारा जिक्र कर रहे हैं।

ल्यूकोरिया

महिलाओं की विभिन्न बीमारियों में श्वेत प्रदर भी एक मुख्य समस्या है, योनि द्वार से जब सफेद, पीला, पतला या गाड़ा स्राव निकलता है तो उसे श्वेत प्रदर (ल्यूकोरिया) कहा जाता है।

लक्षणः- थोड़ा सफेद व थोड़ा पीले रंग का स्राव निकलना, योनि द्वार की खुजली, श्वेत प्रदर में बदबू आना, जलन पैदा करने वाला स्राव, गाढ़ा व चिपचिपा स्राव निकलना, कमर व पैरों में लगातार दर्द रहना, खुजली होना, हाथ-पैरों में जलन होना, कब्ज का लगातार बने रहना, कमजोरी व चिड़चिड़ापन होना, ऐसे कई लक्षण है जो ल्यूकोरिया के होने के संकेत देते हैं, कभी कभी यह रोग यू.टी.आई. के कारण भी उत्पन्न हो सकता है।

उपचारः- होम्योपैथिक में स्त्री रोगों की पूर्ण चिकित्सा उपलब्ध हैं, अपने चिकित्सक को अपने सारे शारीरिक व मानसिक लक्षण बताएं व दवा नियमित रूप से खायें तथा अपनी साफ-सफाई का भी ध्यान देना चाहिए, साफ व धुले वस्त्रों का प्रयोग करना चाहिए और नियमित रूप से दवा का सेवन एवं अपने भोजन पर ध्यान देना चाहिए।

अनियमित माहवारी

आजकल की मुख्य समस्या बनती जा रही है अनियमित माहवारी, माहवारी देर से होना, कम व ज्यादा होना या बिल्कुल ना होना, बहुत जल्दी या बहुत देर में होना, अत्याधिक रक्त स्राव होना, उन दिनों में चिड़चिड़ापन होना, कमजोरी महसूस करना, आलस्य रहना आदि कई ऐसे लक्षण होते हैं जो उन दिनों दिखाई देते हैं। मासिक चक्र नियमित ना होने के कारण, युवतियों के चेहरे पर मुहांसे भी आ जाते हैं, **माहवारी की अनियमित्ता के कुछ लक्षण जैसे** - मोटापा, अनियमित दिनचर्या, थायराइड का बढ़ना, बच्चेदानी में गांठ होना, खून की कमी होना, U.T.I. होना, महिलाओं द्वारा गर्भनिरोधक दवाईयों का अधिक मात्रा में सेवन करना आदि है।

उपचार :- होम्योपैथिक में महिलाओं के इस रोग का सम्पूर्ण व निश्चित इलाज सम्भव है, कुशल होम्योपैथिक चिकित्सक से मिल कर परामर्श लें और अपना इलाज शुरु करवायें ताकि आने वाली और समस्या से बच सकें।

गर्भाशय (बच्चेदानी) में रसौली

महिलाओं के गर्भाशय (बच्चेदानी) में रसौली आज एक बड़ी समस्या बनती जा रही है, आज 30 वर्ष से अधिक 10 में से 6 महिलाएं इस समस्या से पीड़ित है फाइब्रायड के होने की सम्भावना वैसे किसी को भी हो सकती है। इनका आकार मटर के दाने से लेकर नारंगी के बराबर भी हो सकता है, यह जरूरी नहीं कि जिन्हें फाइब्रायड है उन्हें आगे चलकर कैंसर होने की संभावना है, ऐसा केवल एक प्रतिशत ही सम्भव है।

लक्षणः- कभी-कभी रसौली से पीड़ित महिला में किसी प्रकार के लक्षण नहीं पाये जाते हैं परन्तु लक्षण गर्भाशय में रसौली की स्थिति पर निर्भर जरूर करता है, सामान्य लक्षण इस प्रकार हैः- जब रसौली का आकार बड़ा होता है तब दर्द और तकलीफ ज्यादा होना, थक्के के साथ रक्त स्राव होना, कभी कभी पूरे मासिक चक्र के समय प्रदर स्राव या म्यूकस स्राव, लगातार गर्भपात गंभीर लक्षण है, कभी-कभी लगातार ब्लीडिंग (रक्त स्राव) होते रहना, गर्भाशय में भारीपन, मासिक चक्र की अनियमितता। **उपचार :-** सामान्यतः एलौपैथी में चिकित्सक इस समस्या के लिए केवल ऑपरेशन की सलाह देते हैं परन्तु होम्योपैथिक दवाओं के द्वारा रसौली का उपचार सफलतापूर्वक किया जा सकता है। कई महिलाओं को रसौली के कारण गर्भधारण नहीं हो पाता है, परन्तु समय पर उपचार से गर्भधारण संभव है।

एन. डी. ल्यूको गो श्वेत प्रदर (ल्यूकोरिया), मासिक चक्र की गड़बड़ी, पीठ दर्द, कमर दर्द, पेट में दर्द, कष्टकर मासिक धर्म आदि सभी समस्याओं में एक असरदार टॉनिक है।

एन.डी. मेन्सिस्को अनियमित मासिक चक्र को नियमित करता है और मासिक चक्र को ठीक करता है, जैसे :- स्त्रियों में मासिक स्राव न आना, अत्यन्त कमर दर्द व पेट दर्द होना, ज्यादा मात्रा में स्राव होना इत्यादि एन. डी. मेन्सिस्को गर्भाशय को स्वस्थ रखता है।

Sahas Homeo Remedies
Always caring for a better health

चर्म रोग

साहस होम्योपैथिक में हम समस्त चर्म रोगों का दुष्प्रभाव रहित सफल समाधान करते आ रहे हैं। मुहांसे से लेकर सोरायसिस तक चर्म रोगों का सभी प्रकार से उपचार यहां सम्भव है। होम्योपैथिक चिकित्सा चर्म रोगों में बेहद प्रभावी है। होम्योपैथी में चर्म रोगों हेतु लगाने से लेकर खाने वाली सभी औषधियाँ मौजूद हैं। प्रस्तुत हैं इन्हीं कुछ रोगों व औषधियों की जानकारी

यदि दवाईयां समय पर लेते रहें तो यह रोग जड़ से खत्म जरुर हो जाता है।

सोरायसिस

सोरायसिस यह एक भयंकर रुपी रोग नहीं है परन्तु इस रोग को जल्दी ठीक होने वाला सामान्य रोग भी नहीं कह सकते हैं, इस रोग का मनोवैज्ञानिक कारण भी है जैसे मानसिक तनाव, सदमा, अवसाद, क्रोध, भय आदि इन सबके कारण शरीर की ग्रन्थियों से कई प्रकार के हारमोन्स रक्त में शामिल होने लगते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देते हैं, जिससे शरीर में त्वचा की नई कोशिकाओं के बनने व पुरानी मृत कोशिकाओं को शरीर से अलग होने (बाहर निकालने) की क्रिया सुचारु रुप से कार्य नहीं कर पाती है जिसके परिणाम स्वरुप त्वचा में कोशिकाओं के बनने की गति तो तीव्र हो जाती है परन्तु मृत कोशिकाओं की त्वचा से अलग करने की गति धीमी पड़ने लगती है। लक्षणः- त्वचा पर भिन्न-भिन्न प्रकार के दाने निकलना, त्वचा पर लाल, गुलाबी रंग की चमकदार पपड़ी का पड़ना, खुजली होना तथा खुजलाने पर पर खून के धब्बे पड़ जाना, त्वचा पर सूजन होना, विशेष रुप से हाथों, पैरों पर शुरुआत होना, रोग से त्वचा का मोटा हो जाना, प्रभावित हिस्से से बदबू आना।

उपचारः- यदि रोग के शुरु होते ही रोगी को होम्योपैथिक चिकित्सक को दिखाया जाये तो इस रोग को शुरुआत में ही दवाईयों द्वारा रोका व खत्म किया जा सकता है। सोरायसिस को ठीक होने में थोड़ा समय लगता है परन्तु

सफेद दाग

सफेद दाग यानि ल्यूकोडर्मा एक त्वचा रोग है जिसमें रोगी के शरीर का कोई हिस्सा इस रोग से ग्रसित होकर सामान्य त्वचा से भिन्न सफेद सा हो जाता है, पहले के समय में इसे कुष्ठ रोग कहा जाता था।

उपचार :- ल्यूकोडर्मा (सफेद दाग) का पूर्ण इलाज होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति में सम्भव है। होम्योपैथिक में रोगी के खाने व त्वचा पर लगने वाली दोनों ही तरह की दवाईयां उपलब्ध है, वैसे यह रोग खाने वाली दवा से ही ठीक होता है, परन्तु कुछ केस में लगाने वाली दवा भी देनी पड़ती है। दवा के साथ ही साथ रोगी को अपने भोजन पर भी ध्यान देना चाहिए। चिकित्सक से मिलकर अपना

उचित व पोषित भोजन की जानकारी लें, साथ ही विटामिन डी लेना नहीं भूलना चाहिए और विटामिन डी के लिए सुबह-सुबह की धूप एक अच्छा विकल्प है।

मस्से व गोखरु क्या हैं?

मस्सा व गोखरु शरीर पर एक उभार, ठोस दाना, छोटे से दाने आदि कई तरह के होते हैं। अधिकांश मस्सों में कोई दर्द नहीं होता, परन्तु कुछ में होता है। मस्से व गोखरु दोनों के ही अलग-अलग रुप हैं। मस्से हमारे शरीर में कहीं भी हो सकते हैं। शरीर के किसी भी भाग पर देखने में दाने जैसे दिखने वाले वास्तव में यह मस्से होते हैं, वहीं गोखरु सामान्यतः पैरों के तले में ही हुआ करते हैं। यह आकार में तो छोटा या बढ़ा हो सकता है परन्तु इनमें दर्द बहुत तेज होता है। उपचारः- होम्योपैथिक में मस्से व गोखरु किसी भी प्रकार के हो दोनों का इलाज सम्भव है, होम्योपैथिक दवाओं से इन मस्सों और गोखरु को जड़ से खत्म किया जा सकता है। दवा जरुर खाएं, मस्सों को काटें नहीं अन्यथा ये और बढ़ सकते हैं।

एन. डी. पुरिंडो सिरप एक असरदार दवा जो कि फोड़े, फुंसी, सोराइसिस, दाग धब्बों आदि सभी प्रकार के त्वचा सम्बन्धी रोगों में असरदार टॉनिक है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है तथा खून को साफ करता है ।

एन. डी. स्किंडो ड्रॉप्स शरीर के चर्म रोगों जैसे एग्जीमा, खुजली, फोड़े, फुंसी, दाग धब्बे, त्वचा का फटना (हाथों में विशेष तौर पर) कार्य करता है । यह प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और शरीर को स्वस्थ रखता है।

Sahas Homeo Remedies
Always caring for a better health

बालों का झड़ना अब होगा बन्द - एलोपेसिया

यह चर्म रोग दाद की तरह होता है। यह रोग, सिर में बालों की जड़ में एक छोटे घेरे में (सिक्केनुमा) उत्पन्न होता है, जिसमें सिर के बाल नष्ट हो जाते हैं, यह रोग फंगस के कारण होता है, कभी-कभी यह रोग सिर में एक ही जगह पर होता है, परन्तु कई बार यह रोगी के पूरे सिर में जगह-जगह फैल जाता है, जिस कारण रोगी गंजा दिखाई देने लगता है। आजकल बालों के झड़ने का मुख्य कारण हमारे शरीर में पोषक तत्वों की कमी का होना है जिसके कारण हमारे शरीर की शोभा बढ़ाने वाले यह बाल कुछ ही समय में झड़ जाते हैं। शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण ही बाल रुखे, बेजान, दो मुहे हो जाते हैं। **उपचार :-** होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति में इस रोग की चिकित्सा उपलब्ध है। बिना कोई दुष्प्रभाव के होम्योपैथिक दवाईयों द्वारा धीरे-धीरे यह रोग तो ठीक होता है, साथ ही बालों की सभी समस्यायें ठीक होती है।

एन. डी. हेयर ग्रो ड्रॉप्स तैलीय ग्रंथी को क्रियाशील कर केश कूपों को खोलकर वाह्य पोषक तत्वों शैम्पू, केश तेल आदि को बालों की जड़ों तक पहुँचाकर बालों की वृद्धि चमक एवं प्राकृतिक रंग को बनाये रखने में सहायता करता है। रुसी से निदान दिलाने में अति प्रभावशाली है तथा बालों की जड़ों में रक्त संचारित करता है और नए बाल उगने में सहायता करता है। इसके अलावा यह बालों को झड़ने से बचाता है, रुसी एवं असमय बालों को सफेद होने से रोकता है।

Sahas Homeo Remedies
Always caring for a better health

सुंदर दिखना हो गया आसान
(मुहांसे दाग-धब्बे से पाएं छुटकारा)

त्वचा संबंधी रोगों में हमारे चेहरे पर मुंहासे, झाईयां, दाग-धब्बे बहुत मायने रखते हैं, चेहरे पर मुंहासे व झाईयां होना इस बात का साफ संकेत है कि हमारे शरीर में या तो पाचन तंत्र की गड़बड़ी है या फिर हमारे शरीर में पोषक तत्वों की कमी है।

उपचारः- हमारे पास होम्योपैथिक में चेहरे की सभी समस्याओं का समाधान केवल दवाइयों द्वारा किया जाता है, केवल खाने वाली दवा द्वारा ही सभी परेशानियों से छुटकारा पाया जा सकता है। अपने भोजन में दाल, दूध, अण्डा आदि प्रोटीनयुक्त भोजन को बढ़ाना चाहिए, यह रोग ज्यादातर कम उम्र की लड़कियों को ज्यादा होता है क्योंकि इस समय हार्मोंस बदलने की प्रक्रिया शुरू होती है जिस कारण यह परेशानियां होती हैं। हार्मोन्स चेन्ज के कारण कई तरह के परिवर्तन आते हैं जो भी होता हो वह सब अपने चिकित्सक से ना छुपायें, इससे दवा देने में आसानी रहती है।

युवाओं में त्वचा अधिक तैलीय होने के कारण मुँहासे, ब्लैक हेड्स, आदि की समस्या आमतौर पर पायी जाती है। यदि समय पर उपचार न हो तो त्वचा में स्थाई रूप से दाग भी पड़ जाते हैं। मुँहासे एवं ब्लैक हैड्स के कई कारण हैं, इसीलिए यह आवश्यक है कि जो भी उपचार किया जाये वह सभी मूलभूत कारणों का उपचार कर सके। यही **N.D. Skin Clear Drops** की विशेषता है कि वो सभी प्रकार के मुँहासे एवं ब्लैक हेड्स न केवल हटाता है, बल्कि युवावस्था में प्रारम्भ में ही दिया जाये तो यह मुँहासे होने ही नहीं देता, जिससे त्वचा स्वथ्य एवं उजली रहती है और सौंदर्य में निखार आता है। **N.D. Skin Clear Drops** कील, मुहासों, धब्बों, झाइयां सूखी खुरदरी त्वचा के इलाज में सहायता करके स्वाभाविक ढंग से रंग में निखार लाता है।

Sahas Homeo Remedies
Always caring for a better health

लम्बाई बढ़ाने एवं बालों की चिकित्सा में सहायक होम्योपैथी

यदि आपके बच्चों की लम्बाई उनकी उम्र के अनुसार नहीं बढ़ रही है, तो हमारे द्वारा दी गयी सर्वश्रेष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सा से सम्भवतः लम्बाई बढ़ सकती है।

यदि आपकी शान समझे जाने वाले आपके बाल लगातार झड़ रहे हैं, सिर में रुसी हो रही है, बालों का दो मुहों का होना, समय से पूर्व या छोटी उम्र में ही बालों का सफेद होना, सिर में एक ही जगह से सिक्केनुमा आकार में बाल का गायब होना इन सभी परेशानियों का निवारण हमारे यहां उपलब्ध है।

Sahas Homeo Remedies

Always caring for a better health

All Natural Homeopathic Products For You

www.sahashomeoremedies.com

MAGNESIUM PHOS-PHORICUM-8X

मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन व मरोड़, पेट का फूल जाना, मासिक चक्र के समय पेट का फूलना व पेट दर्द की दवा

CALC PHOS-8X

दांत का निकलना, बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास, किशोरावस्था, गर्भावस्था, अधिक उम्र में होने वाले सभी प्रकार के दर्द, फ्रैक्चर में उपयोगी

NATRUM PHOS-PHORICUM-8X

खट्टे डकारों का आना तथा उलटी होना, सीने में जलन होना, अपच व एसिडिटी का होना, सोते समय पेशाब का निकलना

KALI PHOSPHO-RICUM-8X

मानसिक कमजोरी व थकान को दूर करता है, दिमाग बढ़ाने में सहायक, शारीरिक व मानसिक कमजोरी, कमर दर्द, निराशा, बैचैनी, अनिंद्रा व परीक्षा का डर, इन सभी समस्याओं को दूर करता है

SILICEA 8X

बालों, हड्डियों व नाखून के रोगों, त्वचा में होने वाले घावों का ना भर पाना, कैरी, एक्जिमा व पायरिया की कारगर दवा

CALC FLOURICUM-8X

वैरिकोज वेन्स, बवासीर मोतियाबिंद, गम्बाइल्स, आर्टरियोस्केलेरोसि, हड्डी का बढ़ जाना

NATURM MURI-ATICUM-8X

सिर में दर्द होना, दांत में दर्द, पेट में दर्द, डायबिटीज़ व लू लगने की उपयोगी दवा

FERRUM PHOSPHORICUM-8X

खून की कमी को दूर करता है, बुखार सांस नली में कैटरहल की समस्या

NATRUM PHOSPHORICUM-8X

पेट में पित्त की समस्या, लीवर के रोग, यूरिक एसिड का बढ़ना, चर्म रोगों में उपयोगी

KALI MURI-ATICUM-8X

मध्य कान की समस्या, गले में दर्द, ग्लैण्ड की सूजन को सही करता है

Sahas Homeo Remedies
Always caring for a better health